

(c) whether some of those persons tried to run away from the country; and

(d) if so, names of those persons and the outlines of their plans to run away from this country?

THE MINISTER OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRI ATAL BIHARI VAJPAYEE): (a) A list of twenty-four persons with their addresses whose passports were either impounded or to whom passport facilities are to be denied is placed on the table of the House. [Placed in Library. See No. LT-488/77.]

(b) In all cases the impounding or refusal orders were issued under the Passports Act, 1967, in the interests of the general public.

(c) and (d). Government have no information.

राजस्थान के शहरों में विमान डाक सेवा

1520. श्री कृष्ण कुमार गोयल : क्या संचार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) इस समय राजस्थान में विमान डाक सेवा से कितने शहर लाभ उठा रहे हैं और अन्य शहरों में इस डाक सेवा का विस्तार कब तक किया जाएगा ; और

(ख) इस सेवा विस्तार से किन किन अन्य शहरों को इसका लाभ पहुंचेगा ?

संचार मंत्री (श्री जार्ज फर्नान्डिस) :

(क) और (ख). राजस्थान में जयपुर और उदयपुर दो ही ऐसे शहर हैं जो इस समय हवाई मार्ग से जुड़े हुए हैं। इन स्थानों से और इन स्थानों के लिए डाक हवाई जहाजों द्वारा लाई ले जाई जाती है। अन्य प्रस्तावों पर अभी विचार किया जा सकता है जबकि राजस्थान के अन्य नगरों में हवाई सेवा चालू हो जाए। 1977-78 की शीत ऋतु में इंडियन एयर

लाइन्स द्वारा राजस्थान के किसी अतिरिक्त शहर को हवाई मार्ग से जोड़ने का कोई प्रस्ताव नहीं है।

आपात काल के दौरान नसबन्दी किए गए अविवाहितों की नसों को फिर से जोड़ा जाना

1521. श्री सुरेन्द्र विक्रम : क्या स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) आपातकाल के दौरान जिन अविवाहितों की जबरदस्ती नसबन्दी की गयी उनकी नसों को फिर से जोड़ने के लिए क्या कार्यवाही की जा रही है ; और

(ख) आपातकाल के दौरान विभिन्न राज्यों में कितने फर्जी नसबन्दी आपरेशन के मामलों की सूचना 15 जून, 1977 तक मंत्रालय को प्राप्त हुई और इस बारे में जाली प्रमाणपत्र देने वाले डाक्टरों के विरुद्ध क्या कार्यवाही की गई है ?

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री (श्री राज नारायण) : (क) हिदायतें जारी की जा चुकी है कि ऐसे सभी मामलों में किसी विशेषज्ञ से नस को पुनः जुड़वाने की व्यवस्था करवाई जाए। सारा इलाज मुफ्त किया जाए और साथ ही सभी रोगियों को उनके निवास स्थान से उस अस्पताल तक का यात्रा व्यय भी दिया जाए जिसमें उनका आपरेशन किया जाना है।

(ख) अभी तक जाली नसबन्दी आपरेशनों के बारे में 13 शिकायतें मिली हैं। ये शिकायतें राज्य सरकारों के पास विस्तृत जांच करने के लिए भेज दी गई हैं। जांच के पश्चात् जो जो डाक्टर जाली प्रमाणपत्र जारी करने के दोषी पाए जायेंगे, उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।